

jktLFkku dh fojkl r *jfxLrku dk tgkt* ÅjV% cnyrs vk; ke

MkW jktJh l Bh
l gk; d vkpk; j bfrgkl
ek-yk- oekz jkt dh; egkfo | ky; j HkhyokMk ½ jkt-½

E-mail Id- sumanrajshree@gmail.com

शोध सारांश

jfxLrku ds tgkt ds uke l s ifl) Åw jktLFkku dh l dfr dk vfHkUu fgLl k jgk gA ekky] <kykek: j ikwrth vkfn l s l EcfU/kr ykdxhr Åw/ka dh 0; k[: k l s vkr&ikr gA jktLFkkuh dk0; o igfy; ka ea Hkh Åw/ks us vi uh mi lFkfr ntZ djkbZ gA mLrk dyk] fo”v प्रसिद्ध सांगानेरी प्रिन्ट में ऊंट का बहुतायत में चित्रण ऊंटों की महत्ता dks mtkxj djrk gA

ykdx dFkkvka ea jktLFkku ea Åw/ks ds vkxeu dks ikwrth jkBkM+vkj gjey jk; dk l s tkMk x; k gA ogh , frgkl d : i l s ; g iæf.kr gS fd 717 bl oh ea ekgeen fcu dkfl e ds ikl 3000 Åw Fkj ftudk iz kx ml us Hkkjr vkØe.k ds l e; किया। इसके बाद मोहम्मद गजनवी से शुरू होने वाले निरन्तर मुस्लिम आक्रमणों में ऊंटों dk iz kx cgrk; r l s gvk gA किराडू के मन्दिरों के चित्रण से यह स्पष्ट है कि 11वीं शताब्दी तक ऊंटों का प्रयोग व्यापार के लिये किया जाने लगा था।

Åw/ks us jktLFkku dh ukxfjd dkuu vkj 0; oLFkk] j {kk o ; q) ds {ks= ea egRoiwz Hkiedk fuHkkbZ gA 16oha l nh ea fgUnvka ds ckn”kkg vdcj vkj jktLFkku ds egkjktvka us ; q) ds fy, Åw okfguh dh LFkki uk dh A 1989 ea chdkuj ds egkjkt xækf] g us “xæk fj l kyk” की स्थापना की जिसमें 300 ऊंट शामिल थे। इस सैनिक VdMh us iFke o }rh; fo”v युद्ध में भी भाग लिया। वर्तमान में उष्ट्र कोर भारतीय अद्ध l fud cy ds vlrxr l hek l j {kk cy dk egRoiwz Hkx gA

वैज्ञानिक क्रान्ति व आधुनिक जीवन शैली में ऊंटों की उपयोगिता कम हो गई bl fy, /khj&/khjs budks ikyus okys Hkh bul s foef[k gks jgs gS ftl dk ifj .kke budh fujlurj ?kVrh tul a[: k ds : i ea l keus vk jgk gA bl h dks /; ku ea j [krs gq jkT; l jdkj us bl ds l j {k.k ds fy, 2014 ea Åw dks jkT; i”j घोषित किया। 2015 में राजस्थान ऊंट (वध का निषेध और अस्थायी प्रवासन का नियम) विधेयक पारित किया। 02 अक्टूबर, 2016 को राज्य सरकार ने उष्ट्र विकास परियोजना की घोषण की। परिवहन व कृषि के अलावा ऊंट की अन्य उपयोगिता को इंगित करने के प्रयास जारी है। जिनसे Åw/uh ds nwk dk foi .ku] gfi ; ks ds dykRed iz kx] tskij ftyk iz”kkl u }kjk l pkfyr Åw ykbZjh] chdkuj dk Åw egkRl o] i ; Vu foHkx }kjk foHkUu R; ksjkka ij Åw jfl x o i syks dk vk; kstu vkfn egRoiwz fclnq gA Åw dk væsth mPpkj .k Camel शब्द अरबी भाषा के Camel शब्द से बना हुआ है जिसका अर्थ खूबसूरत होता है।

Keywords:- ykdx l dfr] l kfgR; j l uk] vjc

शोध-पत्र

ऊँट की शारीरिक रचना %&jfXlrku dk tgkt Åjv ihB ij , d mHkjk gvk dncM+fy; s gq gkrk gA ; g dncM+bl s vU; thoka l s vyx djrk gA Åjv ds dncM+ea ol k gkrh gA ; g ol k vko"; drk gkus ij [kkuk o ikuh ds : i ea cny tkrh gA Åjv dh Åpkbz 7 QhV , oa otu 600 fdyksxke rd gks l drk gA jfXlrku ea tc jr dh gok pyrth gS rks Åjv vius uFkps dln dj yrk g\$ ftl l s Åjv dh ukd ea jr ugha tkrhA Åjv dh iydkā ij rhu ijr gkrh gS tks Åjv dks /kny l s cpkrh gA Åjv dh l kkus dh {kerk Hkh vf/kd gkrh gA¹

Åjv dnyl thul ds vUrxr vkus okyk , d tho gA l cl s ikjFEHkd Kkr ऊँट, जिसे प्रोटिलोपस कहा जाता है। 40 से 50 मिलियन साल पहले उत्तरी अमेरिका में रहता था। 35 मिलियन वर्ष पहले Poebrotherium , d cdjh ds vkdkj dk Fkka ftl ds vUnj Åjv vkj ykek vka ds xqk ekstin Fkka ykek Hkh Åjv ds l eku gh gkrs g\$ i jUrq ykek ea dncM+ugha gkrk A thok"म साक्ष्यों से इसकी पुष्टि होती है कि ऊँटके पूर्वजों का विकास उत्तरी अमेरिका में हुआ था जो बाद में ए"क; k ea Qsy x; A vjch Åjv ds , d dncM+ tcf d c\$DV^a u Åjv ds nks dncM+ gkrs gA vjch Åjv if"pe , f" k; k ds l wks jfXlrkuh {ks=ka ea tcf d c\$DV^a u Åjv e/; o i nZ , f" k; k ds eny fuokl h gA yxHkx 2000 bZpू में सर्वप्रथम मनुष्य ने ऊँटों को पालतू बनाया था।²

मार्टिन हीड ने 2010 में यह स्पष्ट किया कि मनुष्यों ने बैक्ट्रियन ऊँट को कम से de rhl jh l gL=kCnh ds e/; ea tkxkd ior ds i nZ ea ikyrw cuk fy; k Fkka fv; uk ?kkVh ds gky dh [kpkbz l s irk pyrth g\$ fd 930 bZ k i nZ ds vkl ikl btjk; y ; k vjc ik; }hi ds ckj vHkh rd ik, tkus okys l cl s ij kus ?kjsyw Åjv dh gfMM; k gks सकती है। 10वीं शताब्दी में ऊँट का प्रयोग तांबे के उद्योगों में fd, tkus dk mYys[k iklr gkrk gA m | kska ds vykok Åjv dk mi ; ksx dbZ dk; k ea gkrk Fkka bl s l okjh dju\$ Hkkj <ku\$ gy tkru\$ jgV pyku\$ bZ[k ij us rFkk xkfM; ka ea tkru ds dke ea yk; k tkrk Fkka³

Hkkjr ea Åjv eq; r; k jktLFkku 1/80%½ xqtjkr vkj gfj; k.kk rd l hfer gA jk; dk ; k jckjh l epk; Åjv ds l kFk l cl s vf/kd fudVrk l s tMk gvk gA bl ds vykok jktir] fo"ukb] tkV] fl akh] eqLye vkj xqtj Hkh Åjv ikyrs gA jk bdk Åjv ds mi ; ksx ea dbZ otLukvka dk ikyu djrs g\$ mnkgj.k ds fy, o/k ugha djuk] eka ugha [kkuk] nwk u cpuk] u gh eknk Åjv cpukA fl QZ uj Åjv dks cpus dh vuøfr nh है, जिसे वे साल में एक बार पुष्कर, नागोर और तिलवाडा के वार्षिक प"q esyka ea cprs है। प्राचीन भारतीय साहित्य में भी ऊँट की महत्ता को इंगित किया गया है। संस्कृत l kfgR; bl l s Hkjk i Mk gA

l ddr l kfgR; ea Åjv %& ऊँट को वेदिक साहित्य में धूम्र व उष्ट्र नाम से पुकारा गया है। आप्टे के शब्दकोष में ऊँट के लिये क्रमेल शब्द मिलता है।⁴ ikphu Hkkjr ea l ddr l kfgR; ea of.kr i"q oxl ea Åjv dk LFkku T; knk egROI wkl ugha jgkA dknEcjh ea Åjv ds ckyka dks fi xay o.kz dk crk; k x; k gA⁵ हर्ष चरित में कहा गया है कि ऊँट का ikyu djus okys ykx l kFk&l kFk HkMka dk Hkh ikyu djrs gA⁶ Åjv dk ieq[k [kk] dka/ks okyh >kfM+ ka , oa i k\$ks gkrs g\$ bl fy, कोमल पत्ते खाने वाले ऊँट की एवं ऊँट

कोमल पत्ते खाने वालों की परस्पर निंदा करते हैं।⁷ एगुडफो एक्क डक एर गसु फदु हे ऊँट का प्रिय है, उसका खण नाम नीम के कडवे पत्ते खाने के कारण ही पडा।⁸ आँव सवारी में भी प्रयोग लिया जाता है। हर्षचरित में यह अंकित है कि अपसु हक्कबुल जकट; ओकु को शीघ्रता से बुलाने के लिए महाराजा हर्षवर्धन ने तीव्रगामी ऊँटों को एवं दूतों को भेजा फका⁹। सुक दसु वख दसु : इ एआँवका धि हक्किएदक एग्रोइवकजु ग्गु हक्कजि हक्कडे। केकु दसु वहन के लिए ऊँटों का प्रयोग सेना में किया जाता था। हर्षचरित एआँवका दसु, द= दजुसु डक मयसु[क फेयुरक ग्गु

इकफु। कफुर; एआँवुदु मि एक्वका दसु फु, हक्क आँव डक फुठु फदु; क ख; क ग्गु। "क"पालवध में ब्राह्मण, आम के पत्ते व ऊँट को गरुड से उपमित किया गया है।¹⁰ हर्षचरित में भैसों के खुरों से उड़ी धूल को ऊँट के रोगंटों के सेकु दफु य जख ओक्यि दगु ग्गु ओकुज दसु ख्यु दसु जख। स आँव दसु यकु जख दसु मि फेरु फदु; क ख; क ग्गु।¹¹

; ग जकपुदु गसु फदु [कतुज कगुका। सुयदु नु{क.क दसु फरु: द्युपुयु मे फुलुकरु फ=इगु। इनुजि हवुकु एफुनुज वकु इनुजि हक्कजरु दसु फ"क्यु। एआँव हक्क आँव दसु वदु नु[ककबुल नरुसु ग्गु आँवुह दसु नुवु। स तलवार आदि शास्त्रों को पान दिया जाता था, जैसा कि वराह मिहिर ने कहा है। एउकु सु ?ककमक। इम। गकफुहि आँव तुसु फकु इज प<दुज व/; उ दजुसु धि एुकुगु धि ग्गु। इ फुर। इ फुरक। पदु। इ फुरक। गकजरु। इ फुरक। हक्कोइदु"क फुफु?कुवुवु वकफुन एआँवुह दसु नुवु दसु गुण दोषों की चर्चा हपुल ग्गु दगु तकरु गसु फदु; ग नुवु : {क} मकुवु.क ओ दनु यो.क; लुकुन लिए हुए होता है। यह कुष्ठ, शोध, पित्त, अ"रु, उदरकृमि, गुल्म, श्वास, उल्लास ना"कुदु गकरु ग्गु। इ लुदरु खलुफुका एआँव दसु 43 इ; क; फेयुकु बु। इ"कु धि यकुदु फु इ रक डक। इ पदु ग्गु।

क.कुकु। सु आँव डक ओकु। इ क्ल सु वु/कुदु फदु; क ग्गु मल। सु दे एक्क उकु। क.कुकु। सु ऊँट का वर्णन 12 बार, माघ ने 06 बार, महाकवि कालिदास व श्री हर्ष ने ऊँट का एक-एक बार वर्णन किया है। इस प्रकार कालिदास व कालिदासोत्तर काव्यों में ऊँट का दसु य क्ल। ककु ओकु ग्गु।¹²

जकुलुफुकु धि। इ कलुदुफरुदु फुकुल र एआँव धि महत्ता:—

ऊँट राजस्थान की संस्कृति में शान्ति और संस्कृति का प्रतीक है जो एक शाही और शान्तिपूर्ण जीवन शैली की संतुष्टि को द"कुकु ग्गु आँवका दसु। कफु&। कफु जगुसु ओक्यि फुफुहकुु तकरु; क; ओ; ओ। क; का वकु तुतकरु; का दसु जकुलुफुकु धि तु बु। फु"षुता पर बहुत गर्व करते ग्गु आँव जकुलुफुकु दसु इफुन"; डक फुगुल। क ग्गु जफुलरुकु जकट; डक इरुह। बु धि। इ कलुदुफरुदु इगुकु डक फुगुल। क वकु जफुलरुकु। इ एनुक; का दसु फु, वकफुकुदु : इ। सु एग्रोइवकजु ग्गु जकुलुफुकु धि यकुदु फुकु, अ। इ कुरुधु दसु एकुजुकु म+ एआँव ओ। फुके आँव यकुसु डक जसु नरुधु गसु बु फु, आँव इकुदु जक; डक तकरु बुगु वीुकु वकु/; नु ओकुरुधु ग्गु खेह.क यकु इ कुरुधु दसु य{e.क डक वुरुकु एकुसु गसु रफुकु इ कुरुधु दसु आँवका दसु नुरुक दसु : इ एआँवुकु तकरु ग्गु। इ कुरुधु दसु इकुम+ आँवका दसु इकुदु जकुधु। इ एनुक; }कुकु ख; सु तकरु ग्गु तकरु/गु फुतुसु दसु डकुयु एम एआँवकु धि फु"कुकु एफुनुज गसु तुगु; प= वेकुल; क दसु एसुकु यखरु ग्गु, फुरगुकुल। द : इ। सु फुलु। क एआँवका डक वखु 717 बुजु। एआँवुकु एनुकु एनुकु। इ }कुकु फदु; क ख; क। तकुगु बु। {क= एआँवुकु क रकु मल दसु इकु। 3000 आँव फुका; ग हक्क मयसु[क फेयुरक ग्गु फदु वकुखु वकुठे.ककुधु तकु हक्कजरु दसु यनुसु वकरु फुसु वकु तुसु येजु। सु खतुजरुसु ग्गु ओ पानी के लिए हजारों ऊँटों का इस्तेमाल करते थे। मुगल शासन के दौरान ऊँट धन का इरुह एकु तकरु फुका तकु वखुतुका सु जकुलुफुकु धि इजु फुतु; इ क्लु धि रकु मलुगुसु कसुकु फदु

os ÅjV 0; ki kj l s cgr i s k dek l drs gð bl fy, mlgkaus ÅjVka dh l a[; k c<kbA vaxst h dky ea chdkuj ds egkjktk xxkfl g us xxka fj l kyk dh LFkki uk dh ftl ea 300 ऊँट शामिल थे। इस सैनिक टुकड़ी ने प्रथम व द्वितीय वि"o; q) ea Hkh Hkkx fy; k FkKA tc fj; kl rka dk foy; gmk rc dey dkj bfiM; u vkehZ ds ikl vk xba¹³ jktLFkku bdyksk jkT; gS tgg; ÅjV esyka dk vk; kstu gkrk gS ftuea iæ[k gA

❖ chdkuj ÅjV egkRI o

❖ पुश्कर मेला

❖ tS yej MstVZ QfLVoy

chdkuj ds jktk dpj jkBM tks ekjokM ds jktk jko tkkk ds iæ Fks blgkaus ; q) {ks= ea ÅjV dh fgEer vkj l g l dks l Eeku nus के लिए ऊँट मेले का आयोजन शुरू dj; kA

tS yej MstVZ QfLVoy jktLFkku i ; Mu ckMZ }kj vk; kstr 03 fnol h; l ekjkg है। इसमें भी प्रतिवर्ष ऊँटों की साज-सज्जा, श्रृंगार प्रतियोगिता उनके बीच पोलो मेच आदि का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इसी में ऊँट सफारी हाश gS ftl ea ÅjVka ij l okjh djrs gq egku Fkj jfxLrku ds vkl & ikl l j] l gE; jfxLrku] tS eflnjka gofy; ka dks ns[kuk dkQh jkpd gA

पुश्कर jktLFkku ds e/; iDZ Hkkx ea vjkoyh ds i"चमी भाग में स्थित है। पुष्कर मेला Hkkjr ds l cl s cM+ ÅjV esyka ea l s , d gA bl ea ÅjVka dh Jxkj ifr; kfxrk] ÅjV nkM+ vkfn dk vk; kstu fd; k tkrk gA¹⁴ इस मेले में ऊँट उत्पादों (जैसे ऊँट के शॉल और ÅjV ds xkj l s cuh ukVcd½ cpus dk LVky yxk; k tkrk gAbl dk epkQkk jk; dk , oa pjokgs l epk; dks fn; k tkrk gA iष्कर में ओवर नाइट सफारी की जाती है। यह l cl s vuk[ka vuHkoka ea l s , d gA jkr ea ÅjV l Qkj jfxLrku ea rkjks okyh jkrks ea कुछ अर्न्तदृष्टि प्रदान करती है।

jktLFkkuh ykx dykva ea ÅjV dh mi ; kfxrk %&

chdkuj dh mLrk dyk %& ÅjV dh [kky ij d<kbz o uDdk"kh l s dykRed fp=.k fd; k tkrk gA bl l ugjh fp=dkjh dks mLrk dyk ; k epuorh dyk dgk tkrk gA bl dyk ds fl) gLr dykdj fgL kedhu th Fk] ftUga 1986 ea ineJh l s l Eekfur fd; k x; k gA ; g dgk tkrk gS fd chdkuj ds jktk jk; fl g rFk d.kfl g dN mLrk fp=dkjka dks exy njkj l s chdkuj yk; s FkA muea mLrk vyhj tk] mLrk gfen j tk प्रमुख थें। ऊँट की खाल की सुराहियां, कुपियां, टेबल लैम्प आभूषण आदि को उस्ता कला l s l tk; k tkrk gA¹⁵ chdkuj dk dey gkbV Vfuax l Vj mLrk dyk dk if"kk.k l LFkku gA

ykdxhr%& jktLFkku ds ykdxhrka ea Hkh ÅjV dk fo"ष रूप से वर्णन किया गया है। l qfl) ykdxhrxkj cln ea ÅjV dk Jxkj o.ku fd; k x; k gA jktLFkku ds oL=ka dh ब्लॉक प्रदिंग में ऊँट का चित्रण महत्वपूर्ण है। इसमें रजाई, कुर्तिया, शर्ट, बैडसीट, स्कार्फ vkfn ij ÅjV dk l nj vdu fd; k tkrk gA

fp=dyk%& राजस्थान में चित्रकला की विभन्न शैलियां रही हैं, इन शैलियों की vi uh&vi uh vuBh fo"षताएं रही है। मारवाड़ चित्रकला शैली की उप"ीली जोधुपर शैली ea iæ[k i"q ÅjV jgk gA ekyno dk dky bl Js kh dk Lo.kz dky FkKA chdkuj fp=

शैली भी ऊँट का चित्रांकन बहुतायत में पाया जाता है। रागमाला चित्रों में मारुराग का ध्यान चित्र ऊँट पर सवार मुगल रूप में मिलता है। ऊँट से जुड़े सुभाषित हमें शारंगधर i) fr vkfn eafey tkrs gA

oL=ka ea ÅjV dk iz; ksx %& ikphu dky l s gh ÅjV ds ckyka l s vuod izdkj dh cksj; ka cukbz tkrh g\$ ftl dk iz; ksx l keku dh <ykbz ds fy, fd; k tkrk gA ÅjV dh [kky l s pjokgs dksv cukdj igurs FkA ÅjV ds ckyka ea de eki h; pkydrk vksj LFkkf; Ro gkrk g\$ bl fy, bl l s di M\$ dcaY VbV dkyhu vkfn dk fuekz.k fd; k tkrk gA ÅjV ds ckyka dks 17oha l nh ds ckn l s if"peh di Mka ds fy, bLreky fd; k tk jgk g\$ vksj 19oha l nh l s Åu vksj ÅjV ds ckyka dk feJ.k bLreky fd; k x; k gA ÅjV dk l \$; iz; ksx %& fo"o ds bfrngl ea ÅjVka ds l \$; iz; ksx ds vuod mYys[k feyrs gA c\$DVª, u ÅjVka dk l suk ds vlnj iz; ksx yEcs l e; l s gkrk jgk gA 500 b7 ki wZ ea c\$DVª, u ÅjV l \$; mi; ksx ea ea yk; s x, A 853 b7 k i wZ ea djkj dh yMkbz ea ÅjV l okjka dk igyk iz; ksx mYysf[kr gA jkeu jfxLrkuh bykka ea Hkh ÅjV dk bLreky fd; k x; k FkA 1912 ds cYdu ; q) ea cYxfj; k dh l suk ea ÅjV dkjoka dk iz; ksx fd; k x; kA 19oha l nh ea l a Dr jkT; vesj dk ea vesj dh ÅjV dkj dh LFkki uk dh xbA dsyhQksuz k ea fLFkr cfuf; k ea vLrcy ns[k l drs gA Qka us 1912 ea l gkj k ea vkehZ Mh vQhdk ds fgLI s ds : i ea , d ÅjV okfguh dk fuekz.k fd; k x; k rkfd ÅjV dh l okjh djus okys rnkjx vksj vjc fonksg; ka ij vf/kd fu; =ak fd; k tk l dA 1916 ea vaxtka us bLi hfj; y dey dKVI l cuk; kA chdkuj ÅjV dkj us fcfV" k Hkkjr ds l kFk yMkbz yMhA i Fke fo"o ; q) ea fcfV" k l suk us feJ ds ÅjV i fjogu dkj dk Hkh fuekz.k fd; kA dkd\$"k; u {ks= ea f}rh; fo"o; q) ds nksj ku c\$DVª, u ÅjVka dk bLreky jkekfu; kbz l suk }kj k fd; k x; k FkA

[kk] i nkFkZ ds : i ea ÅjV dk iz; ksx %& ÅjV dk eka nfu; kHkj ea [kk; k tkrk gA , d uj ÅjV ea 600 fdyks rd eka fudyrk g\$ rks , d eknk ea 300 fdyks rd eka i klr fd; k tk l drk gA ÅjV dk eka i kvhu] foVkfue] Xykbdkstu vksj अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है। ऊँट के शरीर पर चीरा लगाकर रक्त निकालकर उसका भी सेवन fd; k tkrk gA bjhfVª, k] l kekfy; k vl; vQhdh ns"ka l Ånh vjc] feL=] l hfj; k] dtkfdLrku ea ÅjV ds eka dk iz; ksx fd; k tkrk gA

ÅjV dk nwk Hkh ekuo LokLF; ds fy, cgr ykHknk; d jgrk gA ijs vQhdk vksj e/; i wZ ea ÅjVuh ds nwk dh ekax cgr vf/kd gA l kekfy; k vksj db; k ea l cl s T; knk ÅjVuh ds nwk dk mRiknu gk jgk gA bl nwk ea l \$ijs/M QsV dh ek=k cgr de gsrh gA vl; i"knvka ds nwk dh vi\$kk bl ea 10 xuk foVkfue l h gsrk gA i kv\$"k; e dh ek=k cgr T; knk gsrh gA bl ds dkj .k nfu; k ea ÅjVuh ds nwk dk iz; ksx obfYi d nok ds rksj ij fd; k tk jgk gA¹⁶

o\$"od ifjn"; ea ÅjV dk l kdfrd egRo %& मध्यपूर्व, उत्तरी अफ्रीका और मध्य , f" k; k ds dbz {ks=ka ea ikjEifj क जीवन शैली ऊँट के बिना विकसित नहीं होती, जिसके pkjka vksj ij h l kdfr; ka vflrRo ea vkbz gA ÅjV vk/kkfjr l dfr dk dk l cl s vPNk mnkgj .k g\$ *cMksbu* A vjc ik; }hi %l kMuh dk eny vkokl ½ ftl dh ij h ikjEifjd vFKD; oLFkk ÅjV ds mRiknu ij fuHkj FkA ÅjVka us gh cMksbu dks jfxLrku ea nij rd tkus ea l {ke cuk; kA ÅjV us vjcka dks tks xfr"kyrk vksj Lor=ark inku dh ml us

mudh Loræ I Ldfr vksj vkRefuHkjrk dh mudh etar Hkkouk dks cukus ea enn dhA mlGkaus ÅV dks viuh eny dk0; dfork dl hng ea vfd r fd; kA bu [kkukcnk's'k ykxka ea , d vkneh dk /ku ml ds ikl ekstin ÅVka dh la[; k l s ekik tkrk Fkka vk/kfud l e; rd ÅV dkjoka 0; ki kj dk vk/kkj LrEHk Fkka e/; , f''k; k ea fo''kky vksj अनगिनत ऊँट कारवां ने सिल्क रोड़ के महान व्यापारिक शहरों की सम्पत्ति और विका dks l fu''pr fd; kA ftl ij eky , f''k; k vksj ; ijki ds chip yk; k tkrk Fkka¹⁷ orëku ea ÅV dh cnyrh ikl fxdrk %&tYn gh bl dMh ea ÅV l sfeyus okyh दवाइयों और सौन्दर्य प्रसाधनों के नाम भी शामिल होने वाले है। इसके लिए बड़े पैमाने पर रिसर्च शुरू हो चुका gA bl ds fy, , d pj.k dk dke Hkh ijk gks pdk gA chdkuj ds us''kuy fj l pl l lVj QkV dey (NRCC) vksj dksydrk ds us''kuy bLVhj; W vktD upjy Qkbcj bathfu; fjæ , oa VDUksyktth (NINFET) us ÅVds ckyks ea ik, tkus okys djks/hu l s ba kuka dh Ropk ckyka l s tMh l eL; kvka ds l ek/kku djus dh fn''kk ea रिसर्च शुरू की है। (NINFET) us ckyka l s djks/hu , DI VV dj fy; k gA¹⁸ ÅV ds nwk l s iuhj cukus dk dk; Z Hkh ied[k : i l s fd; k tk jgk gA bl h rjg dEHkyx<+ÅV Ms jh dh LFkki uk dh xbz gs tks pjokga ds fy, vk; ds vol j inku djxka dey dfj''ek uked l æBu ÅVka ds l j {k.k ea egRoikz Hkfedk fuHkk jgk gA gupr fl g jkBM+vksj MKW bYl s dkyj jksyQl u us bl dh LFkki uk dhA

dey dfj''ek us vcdkkch fLFkr LVKVzi ukefVd U; W''ku l s l k>nkjh dh gA ftl ea ÅV ds nwk l s cus dk; kRed LokLF; mRi knka dh J'[kayk ea ÅVuh ds nwk ikmMj dk iz ks fd; k tk; xka ; g dne xjhch dks de djus , oa nfu; k ds dN सबसे गरीब हिस्सों में बेहतर खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ा अवसर है। 23–24 नवम्बर, 2022 dks jktLFkku ds ikyh ea xkMokj dey phit Qs j dk vk; kstu fd; k x; kA ftl ds ikjEifjd : i l s ÅV ikyd jk; dk l epk; dks fodkl ds vol j mi yC/k djuk gA Hkkjr ea ÅV dh vkcnh yxkrkj fxj jgh gA 1940 ds n''kd ds e/; rd 1 fefy; u l s vf/kd ÅV Fk 2012 ea ; g la[; k ?kVdj 4 yk[k jg xbz gA

2001 ea vfk[ky Hkkjrh; jkbadk , l kfl , l u ds usrk cxxnh jke jk; dk dks irk चला कि पुष्कर मेले के दौरान ऊँटों को मांस के लिए बेचा जाता था। उन्होंने इसे रोकने ds fy, ¼, y-i-h-i-h, l ½ ykdfgr i''kq ikyd l LFkku l s enn dk vuj ks'k fd; kA , y-i-h-i-h, l - vksj jk; dkvka us tuojh 2005 ea lnjh l s tS yej vksj chdkuj rd 800 fdeh yEch ÅV ; k=k dhA 2007 ea jk; dkvka ds , d ifrfuf/k e.My us fLoVtjySM ea blVjydu ea vk; kftr i''kq vupkf''kd l a k/kuka ij l a pr Lrj ds l Eesy ea Hkkx fy; k rkfd ; g ckr dgh tk l ds fd i''kq kyd i''kqku tfofo/krk ds l j {kd gA mlGkaus teZuh o Li u dh Hkh ; k=k dh] jk; dk usrk Jherh n; kyh ckbz us cktu teZuh ea tfofofo/krk ij l Eesy ds l hvki h ea vksj ekfUV^a, y ea vk; kftr l h-ch-Mh- cBd ea Hkkx fy; kA

visy 2008 ea , y-i-h-i-h, l - us t; ij ea *n dey bu jktLFkku QkV fgVye Vv यूनीक सैलिंग पाइंट' शीर्षक से एक अन्तराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें राजस्थान के ऊँट प्रजनको के साथ-साथ दुबई और यूरोप के अन्तराष्ट्रीय ऊँट डेयरी fo''षज्ञों ने भाग लिया । 2010 में एल-i-h-i-h, l - vksj tS yej dey chMI Z, l kfl , ''ku ने खामा में एक राष्ट्रीय पराम''kz dk vk; kstu fd; kA

vr% ; g dg l drs gš fd ÅV dk bfrgkl ekuo l EHk; rk fodkl ds l kFk fujlrj vxz j gÅ bfrgkl ds fofHkUu dkyka , oa fo"o ds fofHkUu [k.Mka ea ÅV dk egRo cuk gmk gÅ igys tgk; ÅV ifjogu] ; q) ea egRoi wkz jgs yšdu oržeku ea LokLF; {ks=ka ea Hkh ÅV us vi uk vge LFkku LFkfi r fd; k gÅ l jdkjh , oa fofHkUu xj l jdkjh Lrjka ij ÅV ds cpko ds vud mik; fd; s tk jgs gÅ vketu dks Hkh ; g pkfg, fd ykd l Ldfr ds bl egRoi wkz ?kVd dks cpkus ea vi uk ; Fkk l EHko ; ksnku nÅ

l nHk&

- 1- TV 9, भारत वर्ष : 07 जनवरी, 2022
- 2- jktLFkku ea ÅV dh uLyj jktLFkku jKT; i qrd e.My] 2&2 , >kykuk Mxjh] t; ij i- 2018] i- l q; k 204
- 3- mijkä
- 4- ršl - 01-08-2021 dkBd 0 15@2 __Vd- 0 10@106 ok-jk-मु 60/45 उष्ट्रे ØesydFk; gkxÅ
- 5- dknEcjh i- 351
- 6- हर्षचरित पृ- 161
- 7- नेषध चरित 6/104
- 8- f" k" kq kyo/k 12@9
- 9- हर्षचरित पृ- 277
- 10- f" k" kq kyo/k 5@66
- 11- हर्षचरित पृ- 100] 181
- 12- शर्मा, डॉ- रामदत्त, संस्कृत काव्यों में प" k& i {kh] nD uxj i dk" ku] t; ij] 1981
- 13- nšud HkkLdj] 2021
- 14- दवाल स्टीट जर्नल, पुष्कर मेला, 14 नवम्बर, 2013
- 15- nšud HkkLdj] 01 ekp] 2015
- 16- TV 9, भारत वर्ष : 07 जनवरी, 2022 सम्पादक मोहित पारीक
- 17- nšud HkkLdj] 26 fnl Ecj] 2022
- 18- Lory Herbison & George w frame-Camel
<https://www.britannica.com>